

## Padma Shri



### **PANDIT (DR.) S. BALLESH BHAJANTRI**

Pandit Dr. S. Ballesh Bhajantri is a Shehnai artist and Hindustani vocalist. A disciple of world renowned Shehnai Maestro and Bharat Ratna Awardee Ustad Bismillah Khan, he carries forward his legacy of Benares Gharanastyle today. He is also “A” Grade Artist of All India Radio and Doordharshan.

2. Born on 1<sup>st</sup> April, 1958, Pt. Ballesh hails from a family of renowned Shehnai players M.K. Hubli (Kittur Taluka, Belgaum District). He was accepted by Shehnai virtuoso Bharat Ratna Awardee Ustad Bismillah Khan Saheb as his disciple, and is one of the five and only surviving direct disciple of the Maestro. He has accompanied Ustad Bismillah Khan Saheb on several occasions. Ustad ji had bestowed the title of “Dakshina Bharat Bismillah Khan” on Pt. Ballesh.

3. Pt. Ballesh is the most respected Shehnai artist in India with an illustrious career of 55 years, playing in concerts from the age of 11 years. He has also performed in many Jugalbandi concerts with Hindustani & Carnatic senior musicians. He has extensively travelled in India and abroad notably Sangeet Sangam International Music Festival organized by Kendra Sangeet Nataka Akademi New Delhi, Sabarang Utsav Benaras by India Tourism Varanasi, Festival of India in the USA, Canada, Singapore, Malaysia and Australia, Saptak Music Festival Ahmedabad, Shehnai Mahotsav in Bhopal Bharat Bhavan, Sawai Gandharva Bhimsen Mahotsav (Pune), Shree Baba Harivallabh Sangeet Sammelan (Jalandhar).

4. Pt. Ballesh has been directly engaged in creating a vibrant platform for Hindustani Music in the heartland of Tamil Nadu and carved a special versatile place for Shehnai with his mastery of the instrument and it has found popularity in both classical and popular music. He has played for many recordings for Leading Music Composers Of India, across 16 languages from 1978 to 2021, He has sung and played shehnai for more than 9,000 movies background-scores and 45,000 film songs in all languages and more than 50,000 devotional songs in all religions and he has also sung Hindustani music Alaaps for films and has also collaborated Shehnai with International musicians and composers in recordings.

5. Pt. Ballesh volunteers time at the Ashram, as alumni - teaching differently abled youngsters Vocal and Instrumental music. Most of these students are from economically backward families, who have been able to lift their families out of poverty, with the skill of music. Tansen Academy, founded by him holds individual classes for Autistic children, Physically Challenged and Special Needs (Blind Born Childrens) for a very negligible and nil Guru Dakshina (No Fee), teaching them for Sangeet Seva.

6. Pt. Ballesh is highly decorated with many awards, prominent among them Viz. Ustad Bismillah Khan Kalaratna Samman 2021; Award Kalaimamani 2020 – Tamil Nadu State Award; Karnataka Kalashree 2019.

## पद्म श्री



### पंडित (डॉ.) एस. बालेश भजन्त्री

पंडित डॉ. एस. बालेश भजन्त्री, एक शहनाई वादक और हिंदुस्तानी संगीत गायक हैं। वह विश्व प्रसिद्ध शहनाई वादक और भारत रत्न से सम्मानित उस्ताद बिस्मिल्ला खान के शिष्य हैं, और बनारस घराना शैली की उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। वह ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के "ए" ग्रेड कलाकार भी हैं।

2. 01 अप्रैल, 1958 को जन्मे, पं. बालेश प्रसिद्ध शहनाई वादक एम.के. हुबली (कित्तूर तालुका, बेलगाम जिला) के परिवार के हैं। शहनाई के उस्ताद भारत रत्न से सम्मानित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान साहब ने उन्हें को अपना शिष्य स्वीकार किया, और वह उस्ताद के पांच शिष्यों में से एकमात्र जीवित शिष्य हैं। उन्होंने कई अवसरों पर उस्ताद बिस्मिल्लाह खान साहब के साथ शहनाई वादन किया। उस्ताद जी ने पं. बालेश को "दक्षिण भारत बिस्मिल्लाह खां" की उपाधि दी थी।

3. पं. बालेश 55 वर्ष से शानदार वादन कर रहे हैं और भारत में सबसे सम्मानित शहनाई वादक हैं। वह 11 वर्ष की आयु से संगीत कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं। उन्होंने हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत के वरिष्ठ संगीतकारों के साथ कई जुगलबंदियां की हैं। उन्होंने भारत और विदेशों में व्यापक रूप से यात्रा की है, विशेष रूप से केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित संगीत संगम अंतर्राष्ट्रीय संगीत समारोह नई दिल्ली, भारत पर्यटन, वाराणसी द्वारा सबरंग उत्सव बनारस, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया में भारत महोत्सव, अहमदाबाद में सप्तक संगीत समारोह, भोपाल के भारत भवन में शहनाई महोत्सव, सवाई गंधर्व भीमसेन महोत्सव (पुणे), श्री बाबा हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन (जालंधर) में उन्होंने प्रस्तुति दी है।

4. पं. बालेश ने 1978 से 2021 तक भारत के प्रमुख संगीतकारों के लिए 16 भाषाओं में कई रिकॉर्डिंग की है, उन्होंने सभी भाषाओं में 9,000 से अधिक फिल्मों के बैकग्राउंड-स्कोर और 45,000 फिल्मी गानों और सभी धर्मों के 50,000 से अधिक भक्ति गीतों के लिए गाया और शहनाई वादन किया है।

5. पं. बालेश समय निकाल कर पूर्व छात्र के रूप में आश्रम में अपनी सेवा देते हैं — विकलांग युवाओं को गायन और वाद्य संगीत सिखाते हैं। इनमें से अधिकांश छात्र आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों से हैं, जो संगीत-कौशल से अपने परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों से बाहर निकालने में सफल रहे हैं। उनके द्वारा स्थापित तानसेन अकादमी में एक बहुत ही नगण्य और शून्य गुरु दक्षिणा (कोई शुल्क नहीं) पर ऑटिस्टिक, विकलांग और विशेष रूप से सक्षम बच्चों (जन्मांध बच्चों) के लिए अलग-अलग कक्षाएं आयोजित की जाती है, उन्हें संगीत सिखा कर संगीत सेवा की जाती है।

6. पं. बालेश को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं; उस्ताद बिस्मिल्लाह खान कलारत्न सम्मान 2021, कलैमामणि 2020 — तमिलनाडु राज्य पुरस्कार, कर्नाटक कलाश्री 2019।